(I learnt from the lesson)

तालिका में एक-एक वाक्य में तीनों दोहों का भाव लिखिए।

दोहा	भाव
दोहा 1	ऐसे पेड़ का कोई फ़ायदा नहीं जो किसी को छाया और फल न दे सके।
दोहा 2	गुरू हमें ईश्वर का मार्ग दर्शन कराते हैं।
दोहा 3	बोली अनमोल होती है, मुख से निकलने से पहले, हृदय को तराजू में तौल कर बोलना चाहिए।
दोहा 4	निंदक व्यक्ति हमारे पास रहने से हमारा स्वभाव निर्मल हो जाता है।

मेरी राय-
(My opinion)

अनुप्रयोग से संबंधित प्रश्न
(Application based questions)

हमें मीठी बोली क्यों बोलनी चाहिए?

मेरी कलम से
(From My Pen)

0. **नीचे दिए गए दोहे और कहानी को पढ़िए। कहानी को पूरा करते हुए इस प्रकार लिखिए जिससे दोहे में दी गई सीख निकलकर आए।**

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।

एक बार राघव के घर के पीछे आग लग गई। आग ज़्यादा नहीं थी लेकिन अगर उसे समय पर नहीं बुझाया जाता, तो उसके तेज़ी से फैलने का डर था। कुछ लोग फायर ब्रिगेड को फोन करने लगे। राघव ने सोचा कि जब तक भारी भरकम फायर ब्रिगेड यहाँ तक पहुँचेगा, तब तक तो आग फैल चुकी होगी। उसे एक विचार आया कि वो सारे गाँव वालों को इकट्ठा करके आग बुझाएगा, फायर ब्रिगेड आने से पहले आग बुझ जाएगा, इस कहानी से हमें यह पता चला कि फायर ब्रिगेड जीतनाभी बड़ा और भारी भरकम हो, यदि ठिक समयपर नहीं आया तो कुछ काम पर नहीं लगेगा

Q- हमें मीठी बोली क्यों बोलनी चाहिए ?

A- हमें हमेशा मीठी बोली बोलना चाहिए क्योंकि मीठी बोली बोलने से सबका हृदय पिघल जाता है, और सबको अच्छा लगता है, कठोर वाणी से सबके मन को ठेस पहुँचाता है.